Sociology(Hons.), Part-2, Paper-IV, Unit-2, Social Survey: Distinction between Social Research and Social Survey, Dr. Pramod Gandhi, Lecture series no.-4

प्रश्नः—सामाजिक अनुसंधान एवं सामाजिक सर्वेक्षण में अन्तर स्पष्ट करें?

(Distinguish between Social Research and Social Survey.)

उत्तरः—सामाजिक अनुसंधान एवं सामाजिक सर्वेक्षण के बीच अन्तर को निम्नलिखित रूप में स्पष्ट किया जा सकता है—

(1) सामाजिक अनुसंधान का उद्देश्य नये तथ्यों की खोज करना अथवा पुराने तथ्यों की परीक्षण और सत्यापन करना है। इस तथ्य की पुष्टि करते हुए **पी0 वी0 यंग** ने भी लिखा है कि ''सामाजिक अनुसंधान को एक ऐसे वैज्ञानिक प्रयत्न के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिसके उद्देश्य तार्किक और क्रमबद्ध पद्धतियों के द्वारा नये तथ्यों का अण्वेषण अथवा पुराने तथ्यों की परीक्षा और सत्यापन करना है।''

इसके विपरीत सामाजिक सर्वेक्षण का उद्देश्य समस्या के कारणों का पता लगाना एवं उनका निदान ढूंढना है। **बर्गेस** के अनुसार ''सर्वेक्षण सामाजिक विकास की एक रचनात्मक परियोजना प्रस्तुत करने के उद्देश्य से किया गया उस समुदाय की दशाओं और आवश्यकताओं का वैज्ञानिक अध्ययन है।''

(2) सामाजिक अनुसंधान का मुख्य उद्देश्य ज्ञान की वृद्धि करना होता है। इसके विपरीत सामाजिक सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य संकट को दूर करना, सामाजिक परिस्थितियों में सुधार करना होता है। एक स्वस्थ सामाजिक अनुसंधान के अध्ययन में नई समस्याओं के संबंध में अधिक से अधिक तथ्य हासिल करना तथा पुराने तथ्यों की सत्यता की जांच करना मुख्य उद्देश्य रहता है।

(3) चूंकि सामाजिक अनुसंधान का मुख्य उद्देश्य ज्ञान की वृद्धि करना है। अतः इसका महत्व शैक्षणिक है। इसके विपरीत सामाजिक सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य समस्याओं को दूर कर स्वस्थ सामाजिक व्यवस्था की स्थापना करना है। अतः इसका उद्देश्य व्यावहारिक होता है।

(4) सामाजिक सर्वेक्षण के संबंध में जिन वैज्ञानिकों ने अपना मत दिया है उन्होंने बताया है कि सामाजिक सर्वेक्षण किसी विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में व्याप्त समंस्याओं का अध्ययन है। इसका मतलब यह है कि सामाजिक सर्वेक्षण का संबंध किसी खास क्षेत्र एवं खास समय में अध्ययन से है। अतः ऐसे अध्ययन स्थान एवं समय की सीमा में सीमित कहा जा सकता है। इसके विपरीत सामाजिक अनुसंधान का किसी खास भू—भाग में व्याप्त समस्याओं का अध्ययन करने से नहीं है।

(5) चूंकि सामाजिक अनुसंधान का उद्देश्य खास भौगोलिक क्षेत्र की समस्या का एक खास समय में अध्ययन करना नहीं रहता है। अतः इसके द्वारा प्रतिपादित नियम सार्वभौमिक होते हैं। इसके विपरीत सामाजिक सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य एक खास समय में तथा एक खास भौगोलिक क्षेत्र में व्याप्त समस्याओं का अध्ययन करना होता है। अतः ऐसे अध्ययन द्वारा प्रतिपादित नियम सार्वभौमिक नहीं होते हैं, बल्कि स्थानीय होते हैं।

(6) सामाजिक सर्वेक्षण के अन्तर्गत अध्ययन के लिए उपकल्पना का निर्माण करना आवश्यक नहीं प्रतीत होता है। दरअसल अच्छा सर्वेक्षण वही समझा जाता है जो बिना किसी उपकल्पना के सम्पन्न होता है। इस तथ्य की पुष्टि करते हुए **पार्क** ने लिखा है ''सर्वाधिक सीमित अर्थ में मुझे यह कहना चाहिए कि

DR. P. GANDHI

एक सर्वेक्षण कदापि शोध नहीं है, यह केवल व्याख्या है, यह परिकल्पना की परीक्षा करने के स्थान पर केवल समस्याओं को परिभाषित करता है।'' इसके विपरीत सामाजिक अनुसंधान उपकल्पना पर आधारित होता है।

(7) चूंकि सामाजिक अनुसंधान उपकल्पना पर आधारित होता है, अतः यह नए सिद्धान्तों के निर्माण तथा पुराने सिद्धान्तों में परिवर्तन लाने या अध्ययन की नयी प्रविधियों को विकसित करने में भी मदद करता है। इसके विपरीत सामाजिक सर्वेक्षण पुराने सिद्धान्तों में परिवर्तन लाने या अध्ययन की नयी प्रविधियों को विकसित करने में मदद नहीं करता है। यह प्रशासकीय परिवर्तन तथा समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। इस तथ्य की पुष्टि करते हुए **सी0 ए0 मोजर** ने लिखा है ''सर्वेक्षण जनजीवन के किसी पक्ष पर प्रशासन संबंधी तथ्यों को जानने की आवश्यकता की पूर्ति के लिए अथवा किसी कार्य–कारण संबंध की खोज करने के लिए अथवा समाजशास्त्रीय सिद्धान्त के किसी पक्ष पर नवीन प्रकाश डालने के लिए किया जा सकता है।''

(8) सामाजिक अनुसंधान वैयक्तिक प्रयत्न है। इसके विपरीत सामाजिक सर्वेक्षण सामूहिक प्रयास है। इसका मतलब यह है कि सामाजिक अनुसंधान कार्य एक खास व्यक्ति द्वारा सम्पन्न होता है। यद्यपि सामाजिक अनुसंधान में भी अन्य व्यक्तियों की मदद की आवश्यकता पड़ती है किन्तु मुख्य रूप से समस्याओं और घटनाओं का अध्ययन एक खास व्यक्ति द्वारा सम्पन्न होता है। ऐसे अध्ययन की सम्पूर्णता के लिए सामूहिक सहयोग या प्रयत्न आवश्यक नहीं है। इसके विपरीत जैसा कि **केलॉग** ने भी बताया है– सर्वेक्षण एक सहकारी प्रयास है।

(9) सामाजिक सर्वेक्षण व्यावसायिक स्तर पर भी सम्पन्न होता है। बहुत सारे व्यक्ति व्यावसायिक रूप में सर्वेक्षण कार्य में आजीवन लगे रहते हैं। इसके विपरीत सामाजिक अनुसंधान व्यावसायिक स्तर पर सम्पन्न नहीं होता है।

(10) सामाजिक अनुसंधान का संबंध सभी तरह की समस्याओं के अध्ययन से है। इसके विपरीत **केलॉग, पी0 वी0 यंग** इत्यादि के अनुसार सामाजिक सर्वेक्षण का संबंध मुख्य रूप से व्यक्ति के समस्याओं का अध्ययन करने से है।

(11) अध्ययन की गहनता के आधार पर भी सामाजिक अनुसंधान और समाजिक सर्वेक्षण में अन्तर बताया जा सकता है। सामाजिक सर्वेक्षण विधि में गहन अध्ययन पर उतना अधिक बल नहीं दिया जाता जितना सामाजिक अनुसंधान के अन्तर्गत दिया जाता है। इसलिए **जी0 एम0 फिशर** ने भी लिखा है– ''सामाजिक शोध, सामाजिक सर्वेक्षण की अपेक्षा अधिक गहन तथा सूक्ष्म होता है और सामान्य सिद्धान्तों की खोज से अधिक संबंधित रहता है।''

DR. P. GANDHI